HSA-C511

बी. ए. पंचम सेमेस्टर - 2022

विषयः संस्कृतम्

विवरणः ***वैदिक साहित्य***

समयः होरात्रयम् *पूर्णांकः* 70

निर्देशः यह प्रश्नपत्र दो खण्डों में विभक्त है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं।

प्रथमं खण्डम्

केवल पांच प्रश्न करने हैं। $5 \times 6 = 30$

1. *अग्निमीडे पुरोहितं यज्ञस्य देवमृत्विजम्।*
   होतारं रत्नधातमम्।। इस मन्त्र की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।
2. *सं गच्छध्वं सं वदध्वं सं वो मनांसि जानताम्।*
   देवा भागं यथा पूर्वे संजानाना उपासते।। मन्त्र की व्याख्या कीजिए।
3. *प्रजापते न त्वदेता..... मन्त्र को पूरा करते हुए अर्थ लिखें।*
4. *यत्तदद्रेश्यमग्राह्यमगोत्रमवर्णमचक्षुः श्रोत्रं तदपाणिपादम्।*
   नित्यं विभुं सर्वगतं सुसूक्ष्मं तदव्ययं यद्भूतयोनिं परिपश्यन्ति धीराः।। इसकी व्याख्या कीजिए।
5. *प्रणवो धनुः शरो ह्यात्मा ब्रह्म तल्लक्ष्यमुच्यते।*
   अप्रमत्तेन वेद्धव्यं शरवत्तन्मयो भवेत्।। की व्याख्या कीजिए।

6. न तत्र सूर्यो भाति न चन्द्रतारकं नेमा विद्युतो भान्ति कुतोयमग्निः । तमेव भान्तमनुभाति सर्वं तस्य भासा सर्वमिदं विभाति।। इस मन्त्र की व्याख्या कीजिए।
7. शतपथ ब्राह्मण के वर्ण्य विषय पर प्रकाश डालिए।
8. ऋग्वेदीय ब्राह्मणों का परिचय देते हुये ऐतरेय ब्राह्मण का संक्षेप में परिचय दीजिए।
9. मुण्डकोपनिषद् में वर्णित ब्रह्मलोक पर प्रकाश डालिए।
10. संगठनसूक्त पर प्रकाश डालिए।

दीर्घोत्तरीय प्रश्न

केवल चार प्रश्न करने हैं। $4 \times 10 = 40$

1. भूमि सूक्त की मन्त्रोल्लेख पूर्वक व्याख्या कीजिए।
2. मुण्डकोपनिषद् के द्वितीय मुण्डक के वर्ण्य विषय पर प्रकाश डालिए।
3. पर्यावरण की शुद्धि में यज्ञ की भूमिका बताएं।
4. ब्रह्मयज्ञ के महत्व एवं विधि पर प्रकाश डालिए।
5. अक्ष सूक्त के वर्ण्य विषय पर प्रकाश डालिए।
6. विद्यार्थी जीवन में ब्रह्मचर्य का महत्व बताएं।
7. माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः पर निबन्ध लिखें।
8- पंचमहायज्ञों की व्याख्या कीजिए।